बृहस्पतिवार
28 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4

संतरा बनाम कीनू : जानिए इनके बीच का अंतर और इनके स्वास्थ्य लाभ

पृष्ठ 5

औरों में कहां दम था एक खास फिल्म है : सई मांजरेकर

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 313
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

गरीबों के समान विनम्र अमीर और अमीरों के समान उदार गरीब ईश्वर के प्रिय पात्र होते हैं।
— शेख सादी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पैरामेडिकल कोर्स के फर्जी डिप्लोमा देने वाला संचालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पैरामेडिकल कोर्स के फर्जी डिप्लोमा देने वाले संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा अब तक 58 छात्र-छात्राओं के साथ धोखाधड़ी की इस घटना को अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों हिमांशु नेगी पुत्र गोपाल सिंह नेगी निवासी मुखानी हल्द्वानी द्वारा थाना काठगोदाम में तहरीर देकर बताया गया था कि डीपीएमई काठगोदाम के एमडी डॉ प्रकाश सिंह मेहरा और प्रधानाचार्य डॉ पल्लवी मेहरा व तनुजा गंगोला (रिसेप्निस्ट) के द्वारा राज्य में पंजीकरण के सम्बन्ध में लाखों रुपये हड़प लिये गये है। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी गयी। जहां के दौरान जब पुलिस ने डीपीएमई के संचालक से पूछताछ की गयी तो उसने बताया कि उसके द्वारा वर्ष 2018 में डीपीएमई दिल्ली की फ्रैंचाईजी ली गयी, और पूर्वी खेडा गौलापार में डीपीएमई काठगोदाम कालेज का संचालन शुरु कर पैरामेडिकल के विभिन्न कोर्सो शुरु कर छात्रों को एडमिशन दिया गया।

जांच में सामने आया कि डीपीएमई काठगोदाम द्वारा वर्ष 2018 के 8 छात्र छात्राओ, वर्ष 2019 के 37 छात्र-छात्राओ, वर्ष 2020 के 21 छात्र-छात्राओ को पैरामेडिकल कोर्स का डिप्लोमा दिया गया और वर्ष 2021 के 30 छात्र-छात्राओ को डिप्लोमा देना शेष है।

दौराने विवेचना के क्रम में डीपीएमई काठगोदाम की मुख्य शाखा डीपीएमई दिल्ली जाकर पता चला कि डीपीएमई दिल्ली द्वारा डीपीएमई काठगोदाम के वर्ष 2018 के 8 छात्र-छात्राओ को ही अब तक डिप्लोमा प्रदान किया गया है व वर्ष 2019 के 37 छात्र-छात्राओ के प्रथम वर्ष की परीक्षा कराकर प्रथम वर्ष की मार्कशीट दी गयी है। उसके बाद डीपीएमई काठगोदाम के संचालक/आरोपी प्रकाश मेहरा (जोकि उक्त संस्थान का प्रबन्ध निदेशक है) द्वारा फीस जमा न करने पर डीपीएमई दिल्ली द्वारा डीपीएमई काठगोदाम को डिफाल्टर घोषित कर कार्यक्रम बन्द कर दिया गया। वर्ष 2019 में कार्यक्रम बन्द होने के बाद भी आरोपी प्रकाश मेहरा द्वारा छात्र-छात्राओ को अपने कॉलेज में लाखों रुपये की फीस लेकर दाखिला दिया गया व वर्ष 2019 के 37 व 2020 के 21 कुल 58 छात्र छात्राओ को फर्जी डिप्लोमा प्रदान किया जाना प्रकाश में आया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी डा प्रकाश मेहरा पुत्र खुशाल सिंह मेहरा निवासी पूर्वी खेड़ा गोलापार काठगोदाम को गिरफ्तार कर लिया गया।

चुनाव से पूर्व खुला नौकरियों का पिटारा

मार्च 2024 से पूर्व राज्य में हजारों भर्तियों की तैयारी

❑1376 नर्सिंग कर्मचारियों की भर्ती
❑हजार-बारह सौ एलटी पदों पर होगी भर्ती
❑कई विभागों में खाली पड़े पदों पर परीक्षा शीघ्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में आम चुनाव से पूर्व भर्तियों का पिटारा खुलने वाला है। 1376 नर्सिंग के पदों पर भर्ती किए जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि उनकी सरकार युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह सतर्क है। बेरोजगारों को अधिक से अधिक संख्या में रोजगार देने के प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि धामी का कहना है कि भर्तियों में पारदर्शिता का सरकारी विभागों में खाली पड़े तमाम पदों को भरने का काम किया जा रहा है। आने वाले दिनों में कुछ और भर्तियां जल्द की जाएगी। मुख्यमंत्री विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिससे पूर्व समय में हुई गलतियों को न दोहराया जा सके। उधर इस बाबत यूकेएसएसएससी के अध्यक्ष जीएस मार्तोलिया का कहना है कि आगामी मार्च से पहले चयन आयोग द्वारा कई परीक्षाएं कराया जाना प्रस्तावित है। जिसकी तैयारियां आयोग द्वारा की जा चुकी हैं। उनका कहना है की सबसे ज्यादा एलटी में पद है अकेले एलटी में 1000 से 1200 के करीब पदों पर भर्ती होनी है। उनका कहना है की मार्च से पूर्व इसका फिजिकल टेस्ट

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

'पाकिस्तान से हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग'

कराची। पाकिस्तानी मीडिया में दावा किया गया है, कि भारत सरकार ने पाकिस्तान से मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग की है। इस्लामाबाद पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है, कि भारत सरकार ने पाकिस्तान विदेश मंत्रालय से हाफिज सईद को सौंपने के लिए कहा है। इस्लामाबाद पोस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है, कि भारत सरकार ने औपचारिक तौर पर पाकिस्तान से अनुरोध किया है, कि वो मुंबई हमले के मुख्य आरोपी को कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए भारत को सौंप दे। भारत सरकार के अनुरोध में पाकिस्तान से हाफिज सईद के प्रत्यर्पण के लिए कानूनी प्रक्रिया की शुरूआत करने का आग्रह किया गया है। आपको बता दें कि इसी हफ्ते रिपोर्ट आई है कि हाफिज सईद के बेटे ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए लाहौर सीट से नामांकन दाखिल किया है। वहीं हाफिज सईद मुंबई में 26/11 हमले का मास्टरमाइंड है, जिसमें 166 लोगों की मौत हो गई थी। जिसमें 6 अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे। सईद को पाक सेना का संरक्षण मिला हुआ है और अब हालात यह हैं कि पाक में उसकी देखरेख में कई आतंकी संगठन तैयार हो चुके हैं। अमेरिका ने हाफिज को मोस्ट वांटेंड डिक्लेयर कर उसके सिर पर एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया हुआ है।

डंपर से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 13 पैसेंजर की मौत, कई जख्मी

गुना । एमपी के गुना में हुए दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसा उस वक्त हुआ जब गुना से आरोन जा रही एक पैसेंजर बस दुहाई मंदिर के पास सामने से आ रहे डंफर की टक्कर लगने से पलट गई। हादसे के फौरन बाद बस में भीषण आग लगी और वो देखते ही देखते आग के गोले में तब्दील हो गई। इस हादसे में 13 लोग जिंदा जल गए। आगजनी के दौरान बस में बैठे कई यात्री झुलस गए। बस ड्राइवर की भी डंफर से टकराने के फौरन बाद मौत हो गई।

हादसे के बाद ज्यादातर यात्रियों ने बस का कांच तोड़कर खुद को बचाया और बाहर निकलने में कामयाब रहे, घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। आगजनी पर पूरी तरह काबू पाने के बाद जब प्रशासन की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया तो बस में से कंकाल निकलना शुरू हो गए।

गुना हादसे पर सीएम मोहन यादव ने संज्ञान लेते हुए हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने मृतकों को 4-4 लाख के मुआवजे का ऐलान किया है सूत्रों के मुताबिक हादसे का शिकार हुई बस काफी पुरानी थी। वो किस परमिट पर चल रही थी, उसका बीमा या फिटनेस था कि नहीं? गुना कलेक्टर तरुण राठी इन सवालों के जवाब देने से बचते नजर आए। सूत्रों की माने तो बस गुना के किसी बीजेपी नेता की बताई जा रही है। अब बस की फिटनेस या बीमा था की नहीं यह सब तो सीएम मोहन यादव के जांच के आदेश के बाद सामने आ जाएगा। पर घर जाने के लिए जो लोग बस में बैठे थे, उनमें 13 की जीवन यात्रा बेहद दर्दनाक तरीके से समाप्त हो गई।

दून वैली मेल

संपादकीय

राहुल की एक और पदयात्रा

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर एक लंबी पद यात्रा पर निकलने वाले हैं। इस यात्रा को कांग्रेस ने न्याय यात्रा का नाम दिया है। इससे पूर्व बीते साल राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी। दक्षिण भारत से शुरू की गई इस पदयात्रा का समापन जम्मू कश्मीर के लाल चौक पर हुआ था। इस लंबी यात्रा के दौरान राहुल गांधी को अप्रत्याशित जन समर्थन मिला था हजारों किलोमीटर की इस यात्रा का आयोजन कड़कती सर्दी के बीच शुरू हुआ था और बारिश व बर्फबारी के बीच इसका समापन हुआ। राहुल गांधी द्वारा मौसम की विसंगतियां के बीच की गई इस यात्रा ने उनके हौसले को लेकर हर किसी को हैरान कर दिया था। हाफ टीशर्ट पहनकर भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी का कहना था कि यात्रा वह देश के लोगों के लिए कर रहे हैं देश के लोगों की दुआएं और ऊर्जा उनके साथ है इसलिए उन्हें किसी तरह की परेशानी का अनुभव नहीं हो रहा है। अब एक बार फिर से वह न्याय यात्रा पर निकलने वाले हैं। 20 जनवरी से शुरू होने वाली यह यात्रा भी कड़ाके की सर्दी के बीच ही होने वाली है, जो 20मार्च तक चलेगी। पूरे 2 माह चलने वाली इस यात्रा के दौरान वह 6000 किलोमीटर से भी अधिक का सफर तय करेंगे। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के बाद ही इस बात की घोषणा कर दी थी कि जल्द ही इस यात्रा का पार्ट 2 भी होगा। और जहां वह अब नहीं जा सके हैं वह अपनी अगली यात्रा के दौरान वहां जाएंगे। यात्रा की शुरुआत मणिपुर से होगी तथा यह यात्रा नागालैंड आसाम, मेघालय जैसे छोटे राज्यों से लेकर पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात जैसे तमाम बड़े राज्यों से होकर महाराष्ट्र मुंबई में जाकर समाप्त होगी। जहां तक यात्रा के उद्देश्य की बात है वह देश के लोगों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय दिलाना बताया जा रहा है। यह एक अत्यंत ही सुखद विषय है कि आज 10 साल सत्ता से दूर रहने वाले विपक्ष और कांग्रेस की नीतियों में भारतीय एकता और अखंडता को अक्षुण बनाए रखने और सामाजिक न्याय जैसे अहम मुद्दे राजनीति के केंद्र में ले जाये जा रहे हैं। राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य देश में सांप्रदायिक और क्षेत्रवाद को लेकर बढ़ रहे सामाजिक विभाजन को लेकर की थी तो अब सामाजिक और आर्थिक न्याय जैसे बड़े मुद्दों को केंद्र में रखा जा रहा है। भले ही इस दौर में की जाने वाली तमाम यात्राओं का उद्देश्य 2024 के लोकसभा चुनाव से जाकर ही जुड़ता हो जिसके तहत भाजपा भी इन दिनों विकसित भारत संकल्प यात्राओं का आयोजन कर रही है। लेकिन राहुल गांधी की सोच और राजनीति दूसरे नेताओं व दलों से कुछ अलग हटकर जरूर है। अभी बीते दिनों हमने राहुल गांधी को एक ट्रक में यात्रा करते देखा था। उनका कहना था कि वह हर क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को नजदीक से महसूस करना चाहते हैं वहीं हमने बीते मानसूनी सीजन में उन्हें हरियाणा के खेतों में धान की रोपाई करते भी देखा था। कल हमने उन्हें एक अखाड़े में बजरंग पूनिया के साथ कुश्ती के दाव पेंच सीखते भी देखा। उनकी राजनीति का अपना अलग अंदाज है आम आदमी के साथ बैठकर उसके पास जाकर वह देश के लोगों की वास्तविक स्थिति को जानने की ललक रखते हैं। जो आम तौर पर नेताओं में दिखावे भर के लिए ही देखी जाती है। उनकी इन दोनों यात्राओं से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को राजनीतिक लाभ पहुंचना भी तय है। इंडिया गठबंधन के दलों को अगर इसका पूरा लाभ लेना है तो उन्हें पूरे मन के साथ इस यात्रा में राहुल गांधी के साथ दिखना चाहिए। उनकी यह यात्रा कैसी रहती है तथा उन्हें कितना सहयोग व समर्थन जनता और गठबंधन सहयोगियों से मिलता है और इसका कितना राजनीतिक लाभ मिलता है आने वाला समय ही बताएगा।

एनडीपीएस एक्ट मामले में पफरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। एनडीपीएस एक्ट मामले में लम्बे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली लक्सर में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मुकदमें में आरोपी माजिद पुत्र इस्लाम निवासी जैनपुर खुर्द लगातार फरार चल रहा था तथा वह पुलिस से बचने के लिए अपने ठिकाने बदल रहा था। जिसे पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एते असृग्रमाशवोऽति ह्वरांसि बभ्रवः।
सोमा ऋतस्य धारया।।

(ऋग्वेद ९-६३-४)

यह सोम की शक्तियां, षड्यंत्रकारी, दमनकारी, और नकारात्मक शक्तियों को सार्वभौमिक सत्य नियम के पथ पर चलकर समाप्त करती हैं और शांति, समृद्धि, और आनंद को स्थापित करती हैं।

विन्टरलाईन कार्निवाल-2023: जोशी ने विंटेज कार रैली को फ्लैग ऑफ कर रवाना किया

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने विन्टरलाईन कार्निवाल-2023 के अंतर्गत विंटेज कार रैली को फ्लैग ऑफ कर रवाना किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने 'विन्टरलाईन कार्निवाल-2023' के अंतर्गत विंटेज कार रैली का फ्लैग ऑफ कर रैली को रवाना किया। यह रैली देहरादून से मसूरी तक होगी। मूसरी विन्टरलाईन कार्निवाल का उद्देश्य पहाड़ों की रानी मसूरी की खूबसूरती को दिखाने तथा राज्य की संस्कृति एवं स्थानीय परम्परा, व्यंजन, उत्पाद को देश-विदेश तक पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा विंटरलाईन कार्निवाल की शुरुआत 2013 में हुई थी। उन्होंने कहा जब 2013 में आपदा आई थी और मीडिया के माध्यम से देश में यह संदेश गया था कि पूरे उत्तराखंड में आपदा आ गई। जिसके कारण पर्यटक यहां पर नहीं आ रहा था ऐसे में मसूरी में विंटर लाइन कार्निवाल की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कार्निवाल में कार्यक्रम एडवेंचर स्पोर्टस, साईकिल रैली, हार्ले डेविडसन बाइक रैली, साहसिक खेल, विन्टेज कार रैली, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति, स्टार नाईट आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जो मसूरी आए सैलानियों को अपनी ओर आकर्षिक करते हैं। उन्होंने कहा इसके माध्यम से संस्कृति का प्रचार प्रसार भी होगा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मंत्री गणेश जोशी ने रैली की सफलता की कामना की और बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा मूसरी विन्टरलाईन कार्निवाल का उद्देश्य पहाड़ों की रानी मसूरी की खूबसूरती को दिखाने तथा राज्य की संस्कृति एवं स्थानीय परम्परा, व्यंजन, उत्पाद को देश-विदेश तक पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर एडीएम रामजी शरण, विजय सिंह, प्रतिभागी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लघु व्यापारियों ने चार सूत्री मांगों को लेकर सहायक नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के एकमात्र संगठन लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में नगर निगम पहुंचकर सहायक नगर आयुक्त फेरी समिति प्रभारीअधिकारी श्याम सुंदर प्रसाद को अपनी चार सूत्रीय माँग को दोहराते हुए ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से सेक्टर 2 बैरियर से भगत सिंह चौक तक चौथे वेडिंग जोन की लाभार्थी सूची के लघु व्यापारियों जिनकी औपचारिकताएं पूर्ण हो गई है सभी को आवटन प्रक्रिया के तहत लाटरी निकाल कर वेंडिंग जोन विकसित किया जाना वही उत्तरी हरिद्वार के वेंडिंग जोन की टेंडर प्रक्रिया विष्णु घाट ,पंतदीप पार्किंग मे नई वेंडिंग जोन बनाए जाने महिला पिक वेंडिंग जोन का सुंदरीकरण किया जाना शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा पूर्व के वेंडिंग जोन के किए गए उद्घाटन शिलापट मौके पर लगाए जाने जैसी प्रमुख मांगों को दोहराया।

लघु व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल को सहायक नगर आयुक्त फेरी समिति प्रभारी अधिकारी श्याम सुंदर प्रसाद ने आश्वासित करते हुए कहा अगले जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में फेरी समिति की बैठक बुलाकर नगर आयुक्त के निर्देशन में उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार शीघ्र ही. सेक्टर 2 बेरियल से भगत सिंह चौक के वेंडिंग जोन को विकसित किया जाएगा और पूर्व के सर्वे के आधार पर उत्तरी हरिद्वार के वेंडिंग जोन के टेंडर प्रक्रिया के लिए पत्रावली को गतिमान किया जा रहा है।

सहायक नगर आयुक्त को अपनी मांग के संदर्भ में ज्ञापन सौपते लघु व्यापारियों में जिला अध्यक्ष राजकुमार एंथोनी, मनोज कुमार मंडल धर्मपाल सिंह कमल शर्मा हेमंत कुमार नीरज कश्यप,सचिन राजपूत,मानसिंह, आजम अंसारी,श्रीमती नम्रता सरकार, सुमन गुप्ता, सुनीता चौहान, मंजू पाल, पुष्पा दास आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अधिशासी व अवर अभियंता के खिलाफ सुराज सेवा दल ने दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। अधिशासी अभियंता व अवर अभियंता पर गबन का आरोप लगाते हुए सुराज सेवा दल ने सचिवालय के समक्ष धरना देकर ऊर्जा सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता जिला सचिव ललित श्रीवास्तव के नेतृत्व में सचिवालय के समक्ष एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने धरना दिया। उनका कहना था कि उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड में विवेक कांडपाल अधिशासी अभियंता व योगेश कुमार अवर अभियंता द्वारा ठेकेदार के साथ मिलकर बिना काम कराए करोडों रूपये का भुगतान कर प्रदेश को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योगेश कुमार अवर अभियंता विद्युत वितरण खंड बाजपुर में लगभग 11 वर्षो से तैनात हैं। विभागीय नियमों को ताक पर रखकर मनमानी तरीके से विद्युत लाइनों को स्थानांतरित करना, लाइनों और ट्रासफार्मर को खुर्द बुर्द करना, विभागीय सामान बेचना, लाइन बनाने में गडबडी करना व पुराने विद्युत बकाये वाला मीटर गायब कर नया मीटर लगाना इनके दैनिक कार्यो में है। उन्होंने कहा कि अनुबंधों के तहत किये गये कार्यो के मापन के सत्यापन में उपखंड अधिकारी मंडी बाजपुर द्वारा पाया गया कि योगेश कुमार द्वारा लगभग 50 लाख रूपये का गबन किया है। योगेश कुमार द्वारा जब दो माह में 50 लाख का विभाग को चूना लगाया तो फिर यह तो वहां पर 11 वर्षो से तैनात है। धरने के बाद उन्होने ऊर्जा सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया। धरना देने वालों में प्रदेश अध्यक्ष रमेश जोशी, देवेन्द्र बिष्ट, हिमांशु धामी, आरसी पाल, आदि लोग शामिल थे।

ट्रंप क्या चुनाव भी लड़ पाएंगे ?

श्रुति व्यास

क्या कॉलोराडो के फैसले से डोनाल्ड ट्रंप की व्हाईट हाऊस की राह कठिन हो गई है? एक घटनाक्रम में, जो चौंकाने वाला है भी और नहीं भी, कॉलोराडो ने अपने सर्वोच्च न्यायालय के ज़रिये डोनाल्ड ट्रंप के राज्य में अगले वर्ष का राष्ट्रपति चुनाव लडने पर प्रतिबंध लगयाहै। राज्य के सर्वोच्च न्यायाधीशों का यह निर्णय अमरीका के चुनावी इतिहास में अभूतपूर्व है। उनके फैसले के अनुसार 6 जनवरी को केपीटोल में बलपूर्वक घुसने के घटनाक्रम के दौरान ट्रंप का व्यवहार 14वें संशोधन के तीसरे अनुच्छेद का उल्लंघन है एवं उन्हें राज्य के विरुद्ध विद्रोह करने के कारण चुनाव लडने का हक़ नहीं है। ट्रंप के वकीलों ने इसे तुरंत चुनौती दी।

अब इस मामले की सुनवाई अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय में होगी और उसका फैसला आने तक कॉलोरोडो में ट्रंप की उम्मीदवारी वैध रहेगी।

आखिर यह 14वां संशोधन क्या है जो ट्रंप के राष्ट्रपति बनने की आकांक्षा में बाधक बन गया है? 14वां संशोधन गृहयुद्ध के बाद कॉन्फेडरेट सांसदों को कांग्रेस में आने से रोकने के लिए लागू किया गया था। राष्ट्रपति चुनाव में कभी इसका उपयोग नहीं किया गया। अमेरिका और सारी दुनिया के बहुत से लोगों को कुछ समय के लिए ही सही, मगर हर्षित और रोमांचित करने वाली इस खबर से एक बड़ा 'लेकिन' जुड़ा हुआ है। पहली बात तो यह है कि अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय में कंजरवेटिवों के जबरदस्त बहुमत के चलते संभावना यही है कि ट्रंप का रास्ता रोकने का कॉलोराडो का प्रयास सफल नहीं हो सकेगा। हालांकि यह भी हो सकता है कि अन्य राज्य कॉलोराडो की राह पर चलकर ट्रंप के प्रायमरीज में भाग लेने पर रोक लगा दें।

दूसरे, भले ही ट्रंप को धक्का पहुंचा हो परंतु अमरीका की जनता उन्हें समर्थन देने के मूड में है।'न्यूयार्क टाईम्स' द्वारा करवाए गए एक सर्वे के अनुसार आधे से ज्यादा अमेरिकी इजराइल-हमास युद्ध में राष्ट्रपति जो बाइडन की भूमिका से नाखुश हैं। सर्वे में 57 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बाइडन ने युद्ध के मामले में जो किया वे उसका समर्थन नहीं करते। एक अन्य सर्वे के अनुसार, 46 प्रतिशत मतदाताओं का कहना है ट्रंप इस पूरे मसले को बेहतर ढंग से हैंडल करते। केवल 38 प्रतिशत मतदाता ट्रंप की तुलना में बाइडन पर अधिक भरोसा करने को तैयार हैं। कुल मिलाकर चुनावी दौड़ में ट्रंप, बाइडन से दो प्रतिशत आगे हैं। यह अंतर बहुत ज्यादा नहीं है परंतु इस तथ्य के प्रकाश में कि ट्रंप के खिलाफ 91 आपराधिक मामलों में कार्यवाही चल रही है, यह मामूली सा अंतर भी निराशा पैदा करने वाले है। और हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप अपने लिए निगेटिव को अपने लिए सुपर पॉजिटिव में बदलने की कला के चैंपियन हैं। ट्रंप ने एक नैरेटिव बनाया है जिसके अनुसार वे जोरो (एक काल्पनिक चरित्र जो हमेशा मॉस्क पहने रहता है और आम लोगों की मदद करता है) की तरह हैं, जिस पर डीप स्टेट हमलावर है। यह नैरेटिव बेहूदा और बकवास है परंतु ऐसा लगता है कि बड़ी संख्या में ट्रम्प समर्थक उसे सही मानते हैं। ट्रंप पर जितना कीचड़ उछाला जाता है उनकी छवि उतनी ही निखरती जाती है और रिपब्लिकन समर्थकों में उनकी लोकप्रियता और बढ़ती जाती है। एक भी प्राइमरी में हिस्सा न लेने के बावजूद रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनने की राह में वे सबसे आगे हैं। एक और बात। ट्रंप की रूचि अदालतों में जीत हासिल करने में नहीं हैं। शुरू से ही उनके वकीलों की कोशिश यही रही है कि मुकदमे ज्यादा से ज्यादा लंबे खिंचें और चुनाव तक किसी मामले में कोई प्रगति न हो। हालिया घटनाक्रम ने अमेरिका के चुनावों को और रोमांचक, और तनावपूर्ण बना दिया है। अभी भी कुछ अमरीकियों को यह उम्मीद है, यह भरोसा है कि नए साल में कोई चमत्कार होगा और कानून के लंबे हाथ ट्रंप को वहां पहुंचा देंगे जहां उन्हें होना चाहिए। और फिर 2024 का चुनावी सीन एकदम बदल जाएगा।

आपराधिक कानून की बहस से दूर रहे बेहतरीन वकील

अंग्रेजों के जमाने के बने आपराधिक कानूनों को बदल दिया गया है। आईपीसी, सीआरपीसी और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का विधेयक संसद के दोनों सदनों से पास हो गया है। लेकिन इन तीनों विधेयकों पर भारत के सबसे बेहतरीन वकीलों ने बहस में हिस्सा नहीं लिया। कायदे से सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले देश के सबसे बेहतरीन वकीलों को इसमें हिस्सा लेना चाहिए था। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसे तीन वकील, जो राज्यसभा में हैं वे सभी विपक्ष में हैं और चूंकि संसद के दोनों सदनों में से बिना किसी खास वजह से रिकॉर्ड संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जा रहा था इसलिए वे इस बहस में शामिल नहीं हुए।

संसद के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन गुरुवार को जब राज्यसभा से ये तीनों विधेयक पास हुए तो सभापति जगदीप धनकड़ ने इसका जिक्र किया। जब भाजपा के राज्यसभा सांसद और जाने माने वकील महेश जेठमलानी इन विधेयकों पर बोल रहे थे तभी सभापति ने तीन बड़े वकीलों- पी चिदंबरम, कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी का नाम लिया। उन्होंने कहा कि ये तीनों वकील इन विधेयकों पर नहीं बोले, जिसका उन्हें बहुत अफसोस है। ध्यान रहे चिदंबरम और सिंघवी दोनों कांग्रेस के सांसद हैं, जबकि कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी के समर्थन से निर्दलीय जीते हैं। सोचें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन तीनों विधेयकों के पास होने को ऐतिहासिक बताया है। लेकिन ऐसे ऐतिहासिक विधेयक भी भारत की संसद में विपक्ष की गैरमौजूदगी में और विषय के सबसे बड़े जानकारों की बहस के बगैर पास होते हैं! प्रधानमंत्री हमेशा भारत को मदर ऑफ डेमोक्रेसी कहते हैं।(आरएनएस)

जानें टूथब्रश की साफ-सफाई के कुछ जरुरी नियम

हमारी मुस्कुराहट हमेशा अच्छी बनी रहें इसके लिए हमारे दांतों का स्वस्थ रखना जरुरी है और इसमें टूथब्रश बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। टूथब्रश हमारे दांतों को साफ़ करता है साथ ही दांतों पर जमा प्लाक भी हटाता है। इसलिए जरुरी है कि आप सही टूथब्रश का इस्तेमाल करें ताकि आपको दांतों से संबंधित परेशानी ना हो। जब आप अपने दांत साफ़ करते हैं तो आपके मुंह के वायरस और बैक्टीरिया आपके टूथब्रश पर लग जाते हैं, और अगर टूथब्रश सही से साफ़ ना किया जाए तो यही बैक्टीरिया वापस मुंह में जाके आपके दांतों और मसूड़ा को नुक्सान पंहुचा सकते हैं।

साथ ही इससे आपको दांतों से संबंधित परेशानियां होनी शुरू हो जाती हैं, जैसे दांतों में कीड़े लगना, मसूड़ों से खून आना और मुंह से बदबू आना। इसलिए यह जरुरी हैं कि आप अपना टूथब्रश साफ़ रखें और समय समय पर उसे बदलते रहें। आज हम आपको कुछ ऐसे ही आसान से तरीके बताने जा रहें हैं जिससे आप आपने टूथब्रश को साफ़ रख सकते हैं।

नियम नंबर एक टूथब्रश को कभी भी किसी बंद कंटेनर में ना रखें। इससे उसमें नमी बनी रहती है जिसकी वजह से उसमें कीटाणु पनपने लगते हैं।

नियम नंबर दो टूथब्रश को सीधा खडा कर के रखें, इससे ब्रश पर जमा पानी नीचे गिर जाता है और टूथब्रश एक दम सूख जाता है। इससे नमी से पैदा होने वाले कीटाणु नहीं होते। यही नहीं अगर आप अपना टूथब्रश नीचे की तरफ रखते हैं तो भी उसमें मैल जमा होने लगता है।

नियम नंबर तीन टूथब्रश को शौचालय से कम से कम 2 फीट की दूरी पर रखें, क्योंकि फ्लश करते वक़्त पानी में मौजूद बैक्टीरिया हवा के द्वारा पूरे बाथरूम में फैल जाते हैं, जो कि आपके टूथब्रश पर भ जा चिपकते हैं।

नियम नंबर चार अपने टूथब्रश होल्डर को हफ्ते में एक बार जरूर साफ़ करें। इससे होल्डर में जमे बैक्टीरिया आपके ब्रश में नहीं जाएंगे। ब्रश होल्डर का निचला हिस्सा जरूर साफ़ करें।

नियम नंबर पांच कोशिश करें कि घर के सदस्यों के टूथब्रश एक दूसरे के साथ संपर्क में ना आएं। अगर आप ने एक कंटेनर में कई टूथब्रश रख रहें हैं तो यह ध्यान रखें कि वे आपस में ना छुएं। इससे एक टूथब्रश के बैक्टीरिया आसानी से दूसरे टूथब्रश में चले जाते हैं।

नियम नंबर छे ब्रश करने के बाद टूथब्रश को अच्छे से हिला कर सुखा लें। क्योंकि जितना गीला टूथब्रश होगा उतना ही कीटाणु पनपने का खतरा बढ़ जाता है।

नियम नंबर सात अपने टूथब्रश को हर 3-4 महीने के बाद बदल दें, और अगर ब्रिसल ज्यादा जल्दी ख़राब हो रहें हैं तो जल्दी बदल दें। बच्चों के टूथब्रश जल्दी बदलें क्योंकि बच्चे अपने टूथब्रश का सही से ध्यान नहीं रख पाते हैं।

प्रेगनेंसी में जमकर सुनें म्यूज़िक, मिलते हैं कई अन्य फायदे

संगीत यानि म्यूज़िक सभी को आनंदित कर देता है। संगीत सुनने लोगों का मूड अच्छा होता है, खुशी मिलती है और तनाव भी कम होता है। पर क्या आप जानते हैं कि गर्भ में पल रहे अनबॉर्न बच्चे भी संगीत सुन सकते हैं और एन्जॉय कर सकते हैं। जी हां, यूनिसेफ.ऑर्ग के अनुसार संगीत गर्भ में पल रहे बच्चे पर बहुत अच्छा असर डाल सकता है। प्रेगनेंसी के 18वें सप्ताह के बाद से ही बच्चें को संगीत सुनायी पड़ने लगता है। भले ही बच्चा अभी गर्भ में ही है लेकिन, इस फेज़ में बच्चा संगीत सुनने लगता है। यही नहीं एक्सपर्ट्स के अनुसार उसे यह संगीत जन्म के बाद भी याद रहता है। आइए जानते हैं गर्भावस्था में संगीत सुनने के फायदों के बारे में :

हाल ही में कुछ स्टडीज़ में दावा किया गया कि गर्भावस्था में संगीत सुनने से बच्चे का दिमाग बेहतर तरीके से विकसित होता है। इन स्टडीज़ के अनुसार, संगीत सुनने से बच्चे का दिमाग उत्तेजित होता है और ब्रेन स्ट्रक्चर विकसित होता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी में म्यूज़िक सुनने से प्रेगनेंट महिला को स्ट्रेस से राहत मिलती है। म्यूज़िक से मां बनने वाली महिला में एंग्जायटी, घबराहट और स्ट्रेस जैसी भावनाएं कम होती हैं। जिससे, बच्चा भी स्वस्थ रहता है और मां के लिए भी प्रेगनेंसी कम तकलीफभरी मालूम होती है। जैसा कि प्रेगनेंसी के दौरान हार्मोन्स में बदलाव के कारण महिलाएं अक्सर बहुत अधिक इमोशनल होने लगती हैं। ऐसे में संगीत सुनने से वे इमोशनली हेल्दी और स्टॉन्ग महसूस करती हैं।

हेयर स्टीमिंग से ड्रैंडफ का होगा खात्मा

बालों की खूबसूरती बनाए रखने के लिए उन्हें स्टीम देना हेयर स्पा दिया जाता है। इससे बाल चमकदार और सुंदर बने रहते हैं। भाप यानी स्टीम बालों के रोम तक जाकर उन्हें पोषण देने का काम करता है। ऐसे में हर किसी को इसका इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है लेकिन इससे पहले जानें हेयर स्टीमिंग के क्या-क्या फायदे होते हैं।

हेयर स्टीमिंग क्या होती है

एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें भाप से बालों और स्कैल्प को मॉइस्चराइज कर इलाज किया जाता है, उसे हेयर स्टीमिंग कहते हैं। एक विशेष स्टीमिंग कैप या स्टीमर मशीन से बालों को भाप दिया जाता है। भाप बालों के क्यूटिकल्स को खोलने का काम करते हैं और डीप कंडीशनिंग ट्रिटमेंट या अन्य प्रोडक्ट्स बालों की जड़ों में ज्यादा प्रभावी ढंग से पहुंचते हैं।

हेयर स्टीमिंग के फायदे

1 डीप मॉइस्चराइजेशन में हेल्प

अगर बाल बहुत ज्यादा ड्राई हो गए हैं तो हेयर स्टीम अच्छा ऑप्शन माना जाता है। हेयर स्टीमिंग से बालों के क्यूटिकल्स खुलते हैं और बालों की गहराई तक नमी पहुंचती है। इससे ड्राई या क्षतिग्रस्त बालों को हाइड्रेट और पोषण में मदद मिलती है। इसके कई और बेनिफिट्स होते हैं।

2 स्कैल्प की सेहत सुधरती है

भाप लेने से बालों ही नहीं स्कैल्प को भी जबरदस्त फायदे होते हैं। ये रोम छिद्रों को खोलने और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है। इससे स्कैल्प की सेहत वातावरण को बनाए रखने में मदद मिलती है। रूसी, खुजली और ड्राईनेस की समस्याएं खत्म हो सकती हैं।

3 बालों का टूटना करे कम

रोजाना बालों को स्टीम करने से उनका टूटना कम होता है और वे मजबूत बनते हैं। हेयर स्ट्रीमिंग से स्टाइलिंग, केमिकल ट्रीटमेंट या पर्यावरणीय तनाव के कारण जो नुकसान होते हैं, उन्हें रिपेयर करने में मदद कर सकते हैं। इससे बाला ज्यादा मजबूत और ज्यादाच लचीले बनते हैं।

हेमंत के पास अलग क्या है ?

हरिशंकर व्यास

जिस तरह से बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार इस भरोसे में हैं कि वे अपने दम पर भाजपा को हरा देंगे उसी तरह का भरोसा झारखंड में हेमंत सोरेन ने पाला है। उनको लग रहा है कि वे अकेले भी भाजपा को हरा सकते हैं। हालांकि ऐसा मानने का कोई ठोस आधार नहीं है क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा के पास लोकसभा चुनाव में लोगों को ऑफर करने के लिए अलग कुछ नहीं है। हेमंत सोरेन को पता है कि लोकसभा और विधानसभा का चुनाव बिल्कुल अलग होता है। 2०19 के मई में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा 14 में से 12 सीटों पर जीती थी लेकिन छह महीने बाद ही दिसंबर में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा 25 सीटों पर सिमट गई, जबकि लोकसभा की सिर्फ एक सीट जीतने वाली जेएमएम 3० विधानसभा सीट जीत गई।

लोकसभा चुनाव के समय लोगों के मन में भाजपा और नरेंद्र मोदी को लेकर गुस्सा नहीं था तो उन्होंने जम कर भाजपा को वोट किया। यहां तक कि दुमका लोकसभा सीट पर जेएमएम के संस्थापक और झारखंड के सबसे बड़े नेता शिबू सोरेन चुनाव हार गए। लेकिन विधानसभा चुनाव के समय लोगों का गुस्सा राज्य की भाजपा सरकार के प्रति था तो उन्होंने उसको हरवा दिया। कुछ भाजपा की अपनी गलतियां भी थीं, जो उसने तालमेल ठीक से नहीं किया था। लगातार दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 14 में से 12 सीटें जीतीं। 2०14 में जेएमएम को संथालपरगना में दो सीटें मिल गई थीं। लेकिन 2०19 में उसे संथालपरगना में एक सीट मिली और दूसरी सीट कोल्हान में कांग्रेस को मिली। पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा कांग्रेस की टिकट पर सिंहभूम सीट से जीतीं। पिछले दो विधानसभा और लोकसभा चुनाव का संदेश यह है कि झारखंड के आदिवासी हों, पिछड़े या दलित हों, सवर्ण हों या बाहरी हों वे प्रादेशिक पार्टियों के मुकाबले राष्ट्रीय पार्टियों को तरजीह देते हैं।

इस बार भी स्थिति अलग नहीं है। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में 3० सीट जीतने के उत्साह में हेमंत सोरेन कांग्रेस को किनारे कर रहे हैं। वे पहले से ज्यादा लोकसभा सीटों की मांग कर रहे हैं। वे अपने को सबसे बड़ी पार्टी बता कर ज्यादा सीटों पर लडऩा चाहते हैं, जिससे कांग्रेस और दूसरी सहयोगी पार्टियों से तालमेल गड़बड़ा रहा है। जेएमएम का दावा बराबर सीटों पर है, जबकि लोकसभा चुनाव में हमेशा कांग्रेस ज्यादा सीट पर लड़ती रही है। ऊपर से राजद, जदयू और लेफ्ट पार्टियों को भी सीट देने का दबाव है। ज्यादा सीट लडऩे की जेएमएम की जिद से जमीनी समीकरण बिगड़ सकता है।

अभी तक जेएमएम को आदिवासी राजनीति पर एकछत्र अधिकार का भरोसा था। लेकिन भाजपा ने बहुत सावधानी से आदिवासी कार्ड की काट खोजी है। पार्टी छोड़ कर गए राज्य के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की पार्टी में वापसी करा कर उनको अघोषित रूप से मुख्यमंत्री का दावेदार बनाया गया है। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उसके बाद संथाल आदिवासी समाज से आने वाले द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया गया है। ध्यान रहे जेएमएम का आधार मुख्य रूप से संथाल आदिवासियों में है। इसके बाद छत्तीसगढ़ में पहला आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया गया है। झारखंड के आदिवासी नेता अर्जुन मुंडा को कृषि जैसा भारी भरकम मंत्रालय देकर उनका भी कद बढ़ाया गया है। सो, आदिवासी कार्ड की काट भाजपा ने खोज ली है। इसके बाद दलित समाज से आने वाले अमर बाउरी को विधायक दल का नेता बनाया है और पिछड़ी जाति के जेपी पटेल को सचेतक बनाया है। जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने की राजनीति करके विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने अगड़ी जातियों को नाराज किया है, जिनका स्वाभाविक रुझान भाजपा की ओर है।

सो, ध्यान से देखें तो हेमंत सोरेन के पास भी अलग कुछ नहीं है। लेकिन चूंकि पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा को हरा दिया था इसलिए सोच रहे हैं कि लोकसभा चुनाव में भी हरा देंगे। उन्होंने भी आदिवासी, पिछड़ा, दलित का आरक्षण बढ़ाने का दांव चला है और साथ ही 1932 के खतियान से स्थानीयता तय करने का विधेयक भी पास कराया है। लेकिन इन मुद्दों का लोकसभा चुनाव में ज्यादा लाभ मिलने की संभावना नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को बराबरी टक्कर देने का एक ही तरीका है कि जेएमएम, कांग्रेस, राजद, जदयू और लेफ्ट के बीच सद्भाव रहे, सीटों का बंटवारा सही तरीके से हो और सब मिल कर चुनाव लड़ें। अपने राज्य को बाकी देश से अलग मानने की सोच समूचे गठबंधन को नुकसान पहुंचा सकती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

संतरा बनाम कीनू : जानिए इनके बीच का अंतर और इनके स्वास्थ्य लाभ

अक्सर कुछ लोग बाजार से संतरे की बजाय कीनू खरीद लेते हैं क्योंकि एक जैसे दिखने के कारण कभी-कभी दोनों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है।संतरा और कीनू सर्दियों के दौरान खाए जाने वाले 2 अलग-अलग खट्टे फल हैं, जो स्वाद और पोषक तत्वों के मामले में भी एक-दूसरे से भिन्न होते हैं।आइए आज हम आपको इन फलों के बीच के अंतर और स्वास्थ्य संबंधी लाभों के बारे में बताते हैं।

कीनू और संतरे के बीच का मुख्य अंतर

कीनू संतरे से अधिक रसदार होता है और इसकी खेती ज्यादातर पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा में की जाती है।इसके अतिरिक्त अगर रंग की बात करें तो संतरे का रंग नारंगी, केसरिया और हरे तक हो सकता है, जबकि कीनू अक्सर गहरे नारंगी रंग का होता है।साथ ही संतरे का छिलका पतला और कीनू का छिलका मोटा होता है।यहां जानिए संतरे के फायदे।

इन फलों का स्वाद और कीमत

ये फल दिखने में भले ही समान हों, लेकिन इन दोनों का स्वाद काफी अलग होता है। संतरे स्वाद में मीठे होते हैं, जबकि कीनू अधिक रसदार और खट्टे स्वाद वाले होते हैं।हालांकि, संतरे की तुलना में कीनू की उपज ज्यादा होती है, जिस कारण इनकी कीमत कम होती है। इसका मतलब है कि संतरा कीनू से अधिक महंगा होता है।यही नहीं, बाजारों में संतरे की तरह-तरह की किस्में भी मौजूद हैं, जिनके भाव अलग-अलग हैं।

दोनों फलों में मौजूद पोषक तत्व

कीनू विटामिन- सी, विटामिन- बी कॉम्प्लेक्स, सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम और कॉपर जैसे खनिजों से भरपूर होता है। कीनू में अन्य खट्टे फलों की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक कैल्शियम होता है।संतरे में विटामिन- सी की अधिक मात्रा होती है। एक मध्यम आकार के संतरे में लगभग 7० मिलीग्राम विटामिन- सी होता है। इसके अलावा इसमें थायमिन, फोलेट और पोटैशियम भी होता है।

दोनों फलों में से किसका चयन करना चाहिए?

अब बारी आती है यह उलझन दूर करने की कि संतरे और कीनू में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है।कीनू के कुछ पौष्टिक तत्व संतरे से थोड़े ज्यादा हैं, लेकिन कैलोरी के मामले में संतरा बेहतर है। इसलिए सीमित मात्रा में संतरे का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।हालांकि, ऐसा नहीं है कि कीनू के सेवन से कोई नुकसान होता है, इसलिए इसे भी अपनी डाइट में शामिल करें।

भुट्टे के सेहतभरे लाभ

भुट्टे की सौंधी-सौंधी खुशबू से हर किसी का मन ललचा उठता है। बारिश की हल्की-हल्की बौछार में राह चलते नींबू और नमक लगाकर गर्म-गर्म भुट्टा भला कौन नहीं खाना चाहेगा। भुट्टा यानी के मकई, मक्का या कॉर्न। आयुर्वेद के अनुसार भुट्टा तृप्तिदायक, वातकारक, कफ, पित्तनाशक, मधुर और रूचि उत्पादक अनाज है। इसकी खासियत यह है कि पकाने के बाद इसकी पौष्टिकता बढ जाती है।

खांसी के मरीजों के लिए भुट्टा बहुत ही लाभकारी है आप भुट्टा जलाकर उसकी राख पीस लीजिए। इसमें स्वादानुसार नमक मिला लीजिए और हर दिन कम से कम चार बार एक चौथाई चम्मच हल्का गरम पानी के साथ फांक लीजिए फिर देखिए खांसी कम हो जाएगी। भुट्टे के पीले दानों में बहुत सारा मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन और फॉस्फोचरस पाया जाता है जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं।

पके भुट्टे कैरोटीनॉयड नामक विटामिन ए का बेहतरीन स्त्रोत होते हैं जो दिल की बीमारियों की आशंका को कम करने में मददगार होते हैं इसमें मौजूद विटामिन सी, बायोफ्लेविनॉयड और फीनोलिक कोलेस्ट्रोल और उच्च रक्त दबाव के स्तर को कंट्रोल रखता है। भुट्टे में मौजूद विटामिन बी व फोलिक एसिड शरीर में खून की कमी को रोकते हैं। इसे खाने से आयरन की कमी पूरी होती है जो लाल रक्त कोशिकाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शब्द सामर्थ्य -044

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

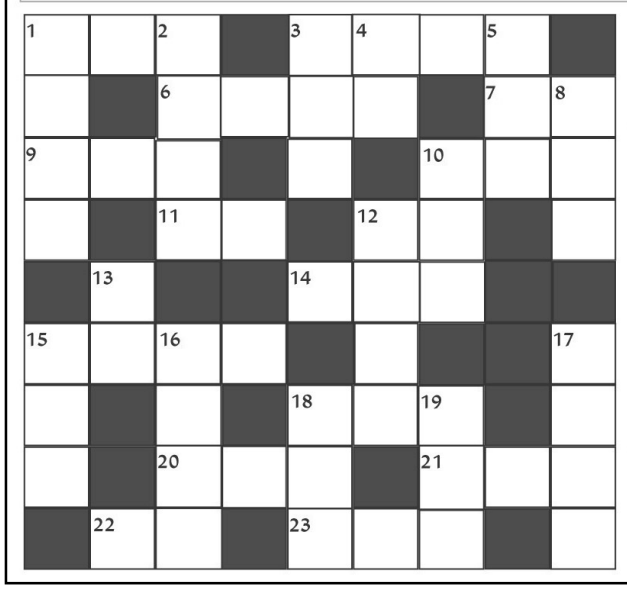

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 43 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

मनोज बाजपेयी ने किया नई वेब सीरीज किलर सूप का ऐलान

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी फिल्म जोरम को लेकर सुर्खियों में बने हुए थे। कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में तारीफ बटोर चुकी यह फिल्म 8 दिसंबर को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटा चुकी है।देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म में उनके अभिनय की काफी प्रशंसा हो रही है।अब इस बीच मनोज ने अपनी नई वेब सीरीज का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम किलर सूप है।इसमें अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। किलर सूप में क्राइम के साथ कॉमेडी का भी तडका है।

सीरीज का निर्देशन और सह-लेखन अभिषेक चौबे ने किया है। यह सीरीज एक महत्वाकांक्षी लेकिन होम शेफ की कहानी बताती है, जो अपने पति, प्रभाकर की जगह अपने प्रेमी, उमेश को लाने के लिए एक विचित्र योजना बनाती है। लेकिन जब एक स्थानीय इंस्पेक्टर और नौसिखिया खलनायक मामले में हलचल मचाते हैं, तो चीजें योजना के अनुसार नहीं होती हैं और अराजकता का माहौल पैदा हो जाता है।

सीरीज के बारे में बात करते हुए अभिषेक चौबे ने कहा, किलर सूप के साथ हम दर्शकों को हंसाना चाहते हैं और साथ ही एक क्राइम थ्रिलर देकर आश्चर्यचकित करना चाहते थे जो हास्य और विचित्रता का मिश्रण है। यह मनोज बाजपेयी, कोंकणा सेन शर्मा, नासिर सयाजी, शिंदे और लाल सहित असाधारण कलाकारों के साथ पूरी तरह से शीर्ष पर भेजा गया एक पॉट-बॉयलर है। इस सीरीज के माध्यम से मैं नेटफ्लिक्स के साथ कुछ असाधारण पेश करना चाहता था और यह उनके साथ एक रचनात्मक रूप से संतुष्टिदायक अनुभव रहा है।

नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज निदेशक तान्या बामी ने कहा, 2023 में हमारी सीरीज को जो प्यार और पहचान मिली है, वह जबरदस्त और उत्साहवर्धक है। 2024 में हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि दर्शकों को नेटफ्लिक्स पर उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानियां मिलती रहें। अभिषेक चौबे का किलर सूप हमारे लिए नए साल की शुरुआत करने का एक शानदार तरीका है। यह एक ऐसी शैली है जिसे दर्शक पसंद करते हैं, एक क्राइम थ्रिलर, जो किसी अन्य से अलग है। हम 2024 में अपने दर्शकों को एक और यादगार यात्रा पर ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। हनी त्रेहान और चेतना कौशिक द्वारा निर्मित, यह सीरीज 11 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर आएगी।

वरुण तेज-मानुषी छिल्लर की ऑपरेशन वैलेंटाइन का टीजर हुआ रिलीज

वरुण तेज और मानुषी छिल्लर की फिल्म ऑपरेशन वैलेंटाइन की टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म अगले साल 16 फरवरी को वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी। ये एक देशभक्ति से भरी फिल्म है जिसमें एयरफोर्स हीरोज के चैलेंजेस को दिखाया गया है। फिल्म में भारत के अब तक के सबसे बड़े, भयंकर हवाई हमलों में से एक का मुकाबला करने के दौरान एयरफोर्स हीरोज का स्ट्रगल दिखाया गया है।

सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और संदीप मुद्धा की रेनेसां पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को शक्ति प्रताप सिंह हाडा ने डायरेक्ट किया है। वंदे मातरम् से इंस्पायरड बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ फिल्म दर्शकों में देशभक्ति की भावना जगाने का काम करने वाली है। फिल्म की कहानी फ्रंटलाइन पर तैनात हमारे एयरफोर्स हीरोज की बहादुरी और देश की रक्षा करते समय उनके सामने आने वाले चैलेंजेस पर बेस्ड है।

वंदे मातरम् से इंस्पायरड बैकग्राउंड म्यूजिक के साथ फिल्म दर्शकों में देशभक्ति की भावना जगाने का काम करने वाली है। फिल्म की कहानी फ्रंटलाइन पर तैनात हमारे एयरफोर्स हीरोज की बहादुरी और देश की रक्षा करते समय उनके सामने आने वाले चैलेंजेस पर बेस्ड है।

वरुण तेज के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह बहुत जल्द फिल्म मटका में नजर आएंगे। फिल्म को करुण कुमार ने डायरेक्ट किया है जिसमें नोरा फतेही भी दिखाई देंगी। मटका तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। वहीं मानुषी छिल्लर जो आखिरी बार विक्की कौशल के साथ फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली में नजर आई थीं, वे अब एक्शन फिल्म तेहरान में दिखाई देंगी। फिल्म में एक्ट्रेस के साथ लीड रोल में जॉन अब्राहम नजर आएंगे। फिल्म 26 जनवरी, 2024 को रिलीज की जाएगी।

कृति सेनन ने कराया बोल्ड फोटोशूट

कृति सेनन लगातार अपनी फिल्मों के दम पर दर्शकों के बीच खूब धमाल मचा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार को इतनी खूबसूरती से पर्दे पर उतारा कि हर कोई उनका दीवाना हो जाता है। कृति अपनी फिल्मों के अलावा खूबसूरती और स्टाइलिश लुक्स के कारण भी काफी चर्चा में रहती हैं। हर दिन एक्ट्रेस का एक नया अवतार सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। उनके हर नए लुक को देखकर ऐसा लग रहा है कि वह वक्त के साथ और ज्यादा बेबाक होती जा रही हैं।

अब एक बार फिर कृति ने अपनी हॉट अदाओं से इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। इन दिनों वह लगातार अपने नए लुक्स शेयर कर रही हैं। अब लेटेस्ट फोटोज में कृति लेडी बॉस के अंदाज में दिखाई दे रही हैं। हालांकि, उन्होंने अपने इस लुक में हॉटनेस का तडका लगा दिया है। कृति ने इस फोटोशूट के लिए टॉपलेस होकर ब्लेजर और ट्राउजर पहना है, जिस पर सिल्वर सीक्वेंस वर्क किया गया है। कृति ने अपने इस लुक को बहुत स्वैग में फ्लॉन्ट करते हुए किलर पोज दिए हैं।

कृति ने इस लेडी बॉस लुक को मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया है। उन्होंने सटल बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आईज रखी हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने हेयरस्टाइल के लिए बालों को वेवी टच देकर ओपन रखा है। एक्सेसरीज के तौर पर सिर्फ ब्रेसलेट पहने हैं। उन्होंने एक हाथ में ऑक्सीडाइज्ड ब्रेसलेट पहने हैं, जबकि दूसरे हाथ में उन्होंने डायमंड के ब्रेसलेट पेयरअप किए हैं। अब फैंस के बीच कृति का ये नया लुक तेजी से वायरल होने लगा है।

दूसरी ओर कृति सेनन के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस लगातार कई बेहतरीन प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। जल्द ही उन्हें द क्रू और दो पत्ती टाइटल से बन रही फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा एक अनटाइटल्ड रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में भी देखा जाएगा। फिल्म इस फिल्म को लेकर कोई डिटेल सामने नहीं आ पाई है।

सैम बहादुर का बॉक्स ऑफिस पर बजा डंका

विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर को सिनेमाघरों में रणबीर कपूर की एनिमल से क्लैश करना पड़ा था. एनिमल के तूफान के आगे भी सैम बहादुर डटी रही. हालांकि फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआती रही थी लेकिन इस वॉर ड्रामा ने देश और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली है. वहीं अब सैम बहादुर ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर एक और माइल स्टोन पार कर लिया है. विक्की कौशल की सैम बहादुर एक वॉर ड्रामा है. ये फिल्म देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की लाइफ पर बेस्ड है. फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला था लेकिन रणबीर की एनिमल के चलते इसकी कमाई पर असर हुआ. बवाजूद इसके सैम बहादुर ने भी अच्छा खासा कलेक्शन कर लिया.

सैम बहादुर के वर्ल्डवाइड 100 करोड़ के कल्ब में शामिल होने पर विक्की कौशल भी खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं. एक्टर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के 100 करोड़ी होने की जानकारी शेयर करते हुए पोस्ट की है. विक्की ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'सैम बहादुर बॉक्स ऑफिस पर गर्व और जीत के साथ आगे बढ़ रहे हैं, और हम आभारी हैं!''सैम बहादुर' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी परचम लहराया हुआ है.

इस फिल्म ने अपने तीसरे वीकेंड पर कमाल कर दिया और तीसरे शनिवार को 4.5 करोड़ का कलेक्शन और थर्ड रविवार को 5.50 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'सैम बहादुर' की देशभर में 17 दिनों में कुल कमाई 76.6 करोड़ रुपये हो गई है. ये फिल्म अब 80 करोड़ से इंचभर दूर है. 'सैम बहादुर' की स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में विक्की कौशल ने लीड रोल प्ले किया है.

औरों में कहां दम था एक खास फिल्म है : सई मांजरेकर

जैसे ही अजय देवगन और तब्बू अभिनीत फिल्म औरों में कहां दम था के निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की है, अभिनेत्री सई मांजरेकर, जो फिल्म का हिस्सा भी हैं, ने इसे खास बताया है और कहा है कि वह ऐसा कर सकती हैं। मैं हर किसी के फिल्म देखने का इंतजार करूंगा।

सई, जो दबंग 3 और मेजर में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, नीरज पांडे की फिल्म औरों में कहां दम था में अजय और तब्बू के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी।

फिल्म में अभिनेत्री एक दिलचस्प और काफी अलग भूमिका में नजर आएंगी, यह भूमिका उन्होंने पहले कभी भी पर्दे पर नहीं निभाई है।

इस घोषणा के साथ, सई ने एक हार्दिक नोट लिखा और लिखा-ठीक है, यह बहुत

खास है! मेरा अब तक का सबसे अच्छा फिल्मांकन अनुभव। औरों में कहां दम था की दुनिया को देखने के लिए हर किसी का इंतजार नहीं कर सकता!

फिल्म में शांतनु माहेश्वरी भी हैं और यह 26 अप्रैल, 2024 को रिलीज होगी।

इस बीच, काम के मोर्चे पर, सई आखिरी बार तेलुगु फिल्म स्कंद में थीं। उन्होंने रुद्रगंती परिणीता की नायिका की भूमिका निभाई।

लालू, नीतीश, अखिलेश कैसे रोकेंगे मोदी का तूफान

हरिशंकर व्यास

देश के बाकि क्षत्रप नेताओं की तरह लालू प्रसाद और नीतीश कुमार, अखिलेश यादवसभी इस मुगालते में हैं कि भाजपा ने राज्यों के चुनाव में कांग्रेस को हराया है, 'इंडिया' नहीं हारी है। लालू और नीतीश का दूसरा मुगालता है कि बिहार बाकी राज्यों से अलग है, वहां नरेंद्र मोदी का जादू नहीं चलने वाला है। तीसरा मुगालता है कि जाति गणना का मुद्दा भले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में नहीं चला हो लेकिन बिहार में चलेगा। चौथा भ्रम है कि भाजपा भले कांग्रेस को हरा ले लेकिन प्रादेशिक क्षत्रपों को हराने में उसे मुश्किल आती है। पांचवां भ्रम है कि 2015 के विधानसभा चुनाव में जैसे भाजपा को हराया था उसी तरह 2024 में भी हरा देंगे। इस तरह के और भी कई भ्रम होंगे, जिनके आधार पर राजद, जदयू, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों का दावा है कि कुछ भी हो जाए भाजपा बिहार में नहीं जीत सकती है। इसलिए दोनों पुराने क्षत्रप इस भरोसे में हैं कि उनको किसी की जरुरत नहीं है। वे अपने जाति गणना और आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर भाजपा को हरा देंगे। इस वजह से दोनों प्रादेशिक क्षत्रप कांग्रेस को किनारे करने और तीन-चार सीटें देकर निपटाने की राजनीति कर रहे हैं। उनको लग रहा है कि जब राजद और जदयू साथ हैं तो किसी और की जरूरत नहीं है।

लेकिन क्या सचमुच ऐसी स्थिति है? क्या सचमुच बिहार बाकी राज्यों से अलग है या भाजपा प्रादेशिक पार्टियों को नहीं हरा सकती है? क्या 2015 के विधानसभा चुनाव की तरह ही 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा जाएगा? सबसे पहले तो लालू प्रसाद और नीतीश कुमार दोनों को यह समझना होगा कि जब लोकसभा चुनाव की बात आती है तो कोई राज्य अलग नहीं रह जाता है, खास कर उत्तर भारत में हिंदी पट्टी के राज्य। सब एक जैसी लहर में बहते हुए होते हैं। दूसरे, यह भी समझना होगा कि प्रादेशिक क्षत्रप विधानसभा चुनाव में भले भाजपा का मुकाबला कर लेते हों लेकिन लोकसभा चुनाव में मोदी और भाजपा की लहर के आगे कहीं नहीं टिकते हैं। बिहार में छह पार्टियों के गठबंधन की सरकार में शामिल पार्टियों को बिहार के आंकड़ों से ही इसे समझने की जरूरत है।

बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार मिल कर सिर्फ एक बार 2015 में विधानसभा चुनाव लड़े थे। दोनों पार्टियां एक साथ मिल कर कभी लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ी हैं। लेकिन भाजपा एक बार जदयू से अलग होकर भी लोकसभा का चुनाव लड़ चुकी है। यह अलग बात है कि उस समय जदयू और राजद का तालमेल नहीं था। तब राजद और कांग्रेस एक साथ लड़े थे, जबकि जदयू ने लेफ्ट पार्टियों के साथ तालमेल किया था। यह दोनों गठबंधन 40-40 सीटों पर लड़ा था और कुल मिला कर 43 फीसदी वोट मिले थे। जबकि भाजपा और उसके गठबंधन को 40 सीटों पर 39 फीसदी वोट मिले थे और उसने 31 सीटें जीती थीं। इसके बाद 2019 में भाजपा और जदयू मिल कर लड़े थे, जिसमें दोनों पार्टियों ने मिल कर 40 में से 39 सीटें जीत ली थीं। पहली बार यानी 2014 में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल को 20 फीसदी और दूसरी बार यानी 2019 में सिर्फ 15 फीसदी वोट मिले थे। सोचें, राजद का दावा मुस्लिम-यादव के 30 फीसदी वोट का है लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में राजद को सिर्फ 15 फीसदी वोट मिले। जाहिर है, जब लोकसभा चुनाव की बात आती है तो लालू प्रसाद का यादव वोट टूटता है और उसका बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ जाता है। नीतीश भी भाजपा से अलग होकर लड़े थे तो 38 सीटों पर उनको 15 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन जब भाजपा के साथ हुए तो 2019 में 17 सीटें लड़ कर ही 21 फीसदी से ज्यादा ले आए।

बिहार में लोगों को पता है कि लालू प्रसाद चुनाव नहीं लड़ सकते हैं और तेजस्वी यादव को प्रधानमंत्री नहीं बनना है। नीतीश कुमार भी विपक्ष की ओर से कोई प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। इसलिए बिहारी अस्मिता का दांव कितना कारगर होगा यह नहीं कहा जा सकता है। दूसरे, राजद और जदयू पहली बार एक साथ मिल कर लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे तो दोनों के बीच सीट बंटवारे को लेकर बड़ी खींचतान है। कई सीटों की अदला-बदली होनी है, जिससे जमीनी समीकरण बदलेगा, जबकि दूसरी ओर भाजपा अपने पुराने सहयोगियों के साथ लड़ेगी।

बिहार में सरकार चला रहे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को लग रहा है कि जाति गणना का दांव रामबाण नुस्खा है। हालांकि हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में यह मुद्दा नहीं चला और कांग्रेस को वोट नहीं दिला सका। लेकिन राजद और जदयू को लग रहा है कि चूंकि उन्होंने जाति गणना कराई है और लालू, नीतीश मंडल की राजनीति के मसीहा हैं तो उनको फायदा मिलेगा। पर मुश्किल यह है कि जाति गणना में सबसे बड़ी आबादी 36 फीसदी अत्यंत पिछड़ी जातियों की है, जिसे राजद और जदयू के राज में सत्ता नहीं मिलेगी। सबको पता है कि मुख्यमंत्री नीतीश रहेंगे और बाद में तेजस्वी बनेंगे। ध्यान रहे पिछले 33 साल से लालू परिवार से कोई मुख्यमंत्री रहा है या नीतीश रहे हैं। इन दोनों की आबादी 17 फीसदी है। इनके सिस्टम में अत्यंत पिछड़ा के लिए कोई खास जगह नहीं है। दूसरी ओर भाजपा अत्यंत पिछड़ा को चेहरा बना सकती है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अत्यंत पिछड़ा श्रेणी में आते हैं। नीतीश कुमार ऐलान कर चुके हैं कि अगली बार तेजस्वी मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे तो अति पिछड़ों और दलितों के साथ साथ सवर्ण मतदाताओं के मन में भी आशंका है। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि लोकसभा का चुनाव राष्ट्रीय मुद्दों पर होगा। जनवरी में अयोध्या में राममंदिर के उद्घाटन के साथ ही हिंदुत्व का मुद्दा उभरेगा। दूसरे, भाजपा ने राष्ट्रवाद के मुद्दे को सबसे ऊपर रखा है। तीसरे नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व का प्रचार होगा और जवाब में राहुल गांधी की चर्चा होगी। चौथे, लालू प्रसाद और नीतीश के पिछले 33 साल के राज में बिहार में विकास का नैरेटिव कभी नहीं रहा है, जबकि भाजपा का मुख्य मुद्दा विकास का होगा। पांचवां, भ्रष्टाचार का नैरेटिव ऐसा है, जिस पर राजद को जवाब देना भारी है। आने वाले दिनों में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई भी तेज होगी। सो, जाति का समीकरण हो, राष्ट्रीय मुद्दा हो, हिंदुत्व का मुद्दा हो या विकास व भ्रष्टाचार का नैरेटिव हो, उनकी काट राजद और जदयू के पास नहीं है। कोई वैकल्पिक नैरेटिव दोनों के पास नहीं है सिवाए इसके कि जाति गणना करा कर आरक्षण बढ़ाया है।

बाल दोमुहे ही क्यों होते हैं, चार मुहे या छह मुहे क्यों नहीं?

लडके हों या लड़कियां, युवक हों या युवतियां अपने बालों को लेकर सभी फिक्रमंद रहते हैं। खासतौर से जो बाल लंबे रखते हैं वो उनकी देखभाल में खुद भी बालों की तरह ही उलझे रहते हैं। कोशिश ये होती है कि खुद उलझें या न उलझें बाल स्मूद और हेल्दी होने चाहिए।

ऐसे में बालों के आखिरी छोर पर स्पिल्ट एंड दिखता है तो टेंशन भी ज्यादा होने लगता है। स्प्लिट एंड इस बात का इशारा होते हैं कि आप जो भी देखभाल और पोषण बालों को दे रहे हैं वो अब उनके लिए नाकाफी है। ये स्प्लिट एंड्स बालों को खासा नुकसान पहुंचाते हैं और ग्रोथ पर असर डालते हैं। ऐसे ही बालों को दो मुंहा भी कहा जाता है। लेकिन क्या कभी आपने सोचा कि बालों को दो मुंहा ही क्यों कहते हैं।

आपके बाल अगर नीचे के सिरे तक पहुंचते पहुंचते बहुत रफ हो रहे हैं और अनटाइडी दिख रहे हैं तो आखिरी सिरे पर गौर जरूर करें। हो सकता है कि आपके बालों के आखिरी सिरे पर एक ही बाल से दूसरा बाल उगा हुआ दिखाई दे। ऐसी ही बालों को दो मुंहे बाल कहा जाता है। वैसे तो एक बाल से बहुत सारे सिरे निकल सकते हैं। उसके बावजूद स्प्लिट एंड वाले बालों को दो मुंहे बाल ही कहा जाता है। इसकी वजह ये है कि डैमेज हेयर में अधिकांश बाल ऐसे ही होते हैं जिसमें एक से दूसरा बाल निकलता है और दो मुंह दिखाई देते हैं। इसलिए इन्हें प्रचलित शब्द दो मुंहे के आधार पर दो मुंहे ही कहा जाने लगा। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.044

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.43 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

लाल सागर भी मैदान-ए-जंग!

श्रुति व्यास

लाल सागर मैदान-ए-जंग बन गया है। इजराइल-हमास युद्ध 70वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हर दिन और गंभीर रूप लेता जा रहा है। इस बीच, यमन के विद्रोही संगठन हूती ने लाल सागर में मालवाहक जहाजों पर हमले शुरू कर दिए हैं। ईरान समर्थित इन विद्रोहियों का कहना है कि वे फिलिस्तीनियों के साथ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए यह कर रहे हैं। उन्होंने धमकी दी है कि वे इजराइल जाने वाले और इजराइल से आने वाले हर उस जहाज पर हमला करेंगे जो गाजा के लिए मानवीय सहायता सामग्री लेकर नहीं जाएगा।19 नवंबर को हूती लड़ाकों ने एक इजराइली कंपनी से संबद्ध मालवाहक जहाज पर कब्ज़ा कर लिया।12 दिसंबर को यमन के एक हूती-नियंत्रित इलाके से छोड़ी गई मिसाइल से नार्वे के एक टैंकर को नुकसान पहुंचा। हालाँकि टैंकर के मालिक के अनुसार वह टैंकर इजराइल नहीं जा रहा था। फ्रांसीसी युद्धपोतों को भी निशाना बनाया गया है। पिछले 15 दिसंबर के बाद से ये हमले बढ़ गए हैं - हूतियों ने एक जहाज पर हमले की धमकी दी, दूसरे पर ड्रोन से हमला किया और तीसरे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों का निशाना बनाया।

इन घटनाओं का नतीजा यह हुआ कि दुनिया की पांच सबसे बड़ी कंटेनर और शिपिंग कपंनियों में से चार - सीएमए सीजीएम, हपाग-लॉयड, मर्स्क और एमएससी - ने लाल सागर में अपने जहाजों की आवाजाही या तो रोक दी है या स्थगित कर दी है। ये चारों कंपनियां मिलकर दुनिया भर के कंटेनर परिवहन में 53 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती हैं। छोटे कंटेनर आपरेटर, ड्राई बल्क केरियर और आइल टेंकर कंपनियां भी अब ऐसे ही कदम उठा सकती हैं। इस संकट से विश्व अर्थव्यवस्था में उथलपुथल पैदा हो सकती है।

हूती कौन हैं, इसकी थोड़ी चर्चा कर ली जाए। हूती आंदोलन की शुरूआत उत्तरी यमन से हुई, जहां अधिकांश लोग शिया मुसलामनों की एक शाखा ज़ैदी के अनुयायी हैं। सन् 1990 के दशक में हुसैन अल-हूती नामक एक ज़ैदी धर्मगुरू ने बिलीविंग यूथ नाम से कई समर स्कूलों की स्थापना में मदद की। ये स्कूल सऊदी अरब द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे धन से बन रहे सुन्नी मदरसों का मुकाबला करने के लिए बनवाए गए थे। सन 2001 आते-आते यह संगठन दो भागों में बंट गया और अल हूती के अनुयायियों वाले धड़े को हूती के नाम से जाना जाने लगा। सन् 2014 के अंतिम दिनों में शुरू हुए यमन युद्ध के दौरान इनकी ताकत में तब और बढ़ोत्तरी हुई जब साना पर इनका कब्जा हो गया।

हूती लड़ाके अमरीका और इजराइल को नष्ट करने का आव्हान करते हैं और वे मध्यपूर्व में हाल में बढ़े टकराव में शामिल हो गए हैं। गत 31 अक्टूबर को उन्होंने घोषणा की कि उन्होंने इजराइल पर ड्रोन और मिसाइलों के जरिए हमला किया है और कहा कि ये हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक इजराइली आक्रमण बंद नहीं होता। ईरान ने उन्हें एंटी-टैंक, बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों जैसे आधुनिक हथियार और तकनीकी प्रदान की है जिससे हूती नौसीखिया लड़ाकों के एक गिरोह से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण एक क्षेत्र में हमले करने की क्षमता रखने वाली सैन्य शक्ति बन गए हैं। इस से लाल सागर में माल परिवहन असंभव हो गया है। आर्थिक दृष्टि से इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव मिस्र पर होगा। बाकी दुनिया के लिए इसका नतीजा यह होगा कि जहाजों को अब अफ्रीका महाद्वीप का चक्कर लगाकर जाना होगा जिसका अर्थ है अधिक समय, अधिक व्यय और बीमा प्रीमियम में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी।

अब तक अमरीका व्यापारिक जहाजों पर हूतियों द्वारा किए जा रहे इन हमलों में सैन्य हस्तक्षेप करने में कतराता रहा है क्योंकि ऐसा करने से ईरान भड? सकता है, जो यमन में हूतियों के अलावा हमास और हिजबुल्ला का भी समर्थन करता है। लेकिन हालिया दिनों में बढ़े हमलों, जिनसे आर्थिक उथलपुथल की स्थिति बन सकती है, के बाद अमरीका सक्रिय हुआ है और हूतियों के हमलों का जवाब देने के विभिन्न विकल्पों पर गहन चिंतन कर रहा है।

ट्रैकिंग एजेंसियों व कम्पनियों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को करें पुख्ता : राधा रतूड़ी

संवाददाता

देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड में ट्रैकिंग एजेंसियों व कम्पनियों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये।

आज यहां राज्य में ट्रैकिंग के लिए आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा को गम्भीरता से लेते हुए अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने उत्तराखण्ड में ट्रैकिंग एजेंसियों व कम्पनियों के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को पुख्ता करने, प्रदेश में एक प्रभावी ट्रैकिंग पॉलिसी या एसओपी बनाने के साथ ही डीएफओ को ट्रैकिंग के लिए आने वाले पर्यटकों की जानकारी जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के साथ अनिवार्यत: सांझा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को भी इस सम्बन्ध में डीएफओ, पर्यटन विभाग तथा ईको टूरिज्म से समन्वय करने के निर्देश दिए हैं। श्रीमती राधा रतूड़ी ने स्पष्ट किया है कि समय पर ट्रैकिंग एसओपी प्रभावी न होने की दशा में प्रदेश में आने वाले ट्रैकर्स की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही की घटना के लिए वन विभाग को सीधे तौर पर उत्तरदायी ठहराया जाएगा एवं कार्यवाही की जाएगी। एसीएस ने वन विभाग को सख्त हिदायत दी है कि ट्रैकिंग एजेंसियों के लिए भी एक ठोस एसओपी के साथ ही ट्रैकर्स के लिए पुख्ता सुरक्षा मापदण्ड, बीमा, प्रशिक्षित गाइड्स, स्नो इक्वपमेन्ट्स, हेल्थ सर्टिफिकेट, बेसिक मेडिसिन की तत्काल व्यवस्था को लागू किया जाए। सचिवालय में प्रदेश में शीत लहर के सम्बन्ध में प्रशासन की तैयारियों की समीक्षा के दौरान अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने विशेषरूप से निर्माणधीन स्थलों में रहने वाले जरूरतमंदों श्रमिकों के शीत लहर से बचाव एवं राहत के लिए श्रम विभाग को तत्काल सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव द्वारा लोक निर्माण विभाग को सड़कों की कनेक्टिविटी बनाए रखने, जेसीबी की व्यवस्था करने, सड़कों से पाला हटाने के लिए परम्परागत उपायों के साथ नए समाधानों पर कार्य करने निर्देश दिए गए। इस दौरान सभी जनपदों को सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था एवं कम्बलों के वितरण, अस्थाई रैनबसेरो में बिजली, पानी, बिस्तर एवं साफ-सफाई की व्यवस्था करने, इस सम्बन्ध में पृथक से नोडल अधिकारी नामित करने, सभी जनपदों में खाद्य आपूर्ति, पेयजल एवं ईधन की जनवरी माह के अन्त तक के लिये पर्याप्त मात्रा में भंडारण करने, चिकित्सा स्वास्थ्य हेतु आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सचिव डा. रंजीत कुमार सिन्हा सहित सम्बन्धित विभिन्न विभागो के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आंदोलनकारियों ने निकाली सरकार के झूठ की शव यात्रा

संवाददाता

देहरादून। आंदोलनकारियों ने शहीद स्मारक से सरकार के झूठ की शव यात्रा निकाल उसका दहन किया गया। आज राज्य आंदोलनकारियों द्वारा शहीद स्मारक देहरादून से आंदोलनकारी संयुक्त परिषद तथा संयुक्त आंदोलनकारी मंच के तत्वाधान में एक रैली निकली गई। जिसमें आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के संरक्षक नवनीत गुसाई व केंद्रीय अध्यक्ष विपुल नौटियाल जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रभात डंडरियाल व मूल निवास भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी, लुसेंट ट्यूडोरियल, प्रांजल नोटियाल, आशुतोष नेगी, वंदना रावत, सुनील सेमवाल द्वारा शहीद स्मारक से सरकार के झूठ की एक शव यात्रा निकाली गई जो शहीद स्मारक से लेकर दून चौक तक ले गए वहां सरकार के खिलाफ उस शव को जलाया गया। इसमें संयुक्त आंदोलनकारी मंच के तत्वावधान में क्रांति कुकरेती, अंबुज शर्मा, सुमित थापा, मधुकर शर्मा, मुन्नी खंडूरी, उर्मिला शर्मा, रेखा शर्मा, संगीता रावत, कांति, अभिषेक, दुर्गा ध्यानी, उपेंद्र प्रसाद वह उत्तराखंड क्रांति दल के लताफत हुसैन, नवीन राणा, पुष्पा बहुगुणा, सावित्री पवार, लोक बहादुर थापा, बाल गोविंद, मीरा गोसाई, सोना पवार, व सुनीता ठाकुर सुनीता देवी आदि शामिल रहे।

चुनाव से पूर्व खुला नौकरियों का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि अन्य तमाम विभागों में खाली पड़े पदों के लिए भी परीक्षाओं की तैयारी कर ली गई है। जानकारी के अनुसार मार्च से पूर्व आयोग डेढ़ से 2000 पदों की भर्ती के लिए परीक्षाएं कराने जा रहा है। जिसे लेकर युवाओं में उत्साह दिखाई दे रहा है तथा उन्हें भी इस बात की आशा है कि 2024 का नया साल उनके लिए रोजगार के दृष्टिकोण से बेहतर साबित हो सकता है।

बेरोजगार युवाओं का कहना है कि बीते सालों में सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली भर्तियों को लेकर जो कुछ हुआ है उससे युवाओं को घोर निराशा हुई है अगर भविष्य में पारदर्शी तरीके से भर्तियां हो पाती हैं तो यह उनके भविष्य के लिए एक अत्यंत ही सुखद स्थिति होगी।

भूमि की अनियंत्रित खरीद फरोख्त पर लगे रोक: गोगी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डा. जसविन्दर सिंह गोगी ने राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित करते हुए भूमि के अनियंत्रित खरीद फरोख्त करने पर रोक लगाने की मांग की।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष डा. जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि राज्य भर में जमीन की खरीद बिक्री से सम्बंधित धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के दृष्टिगत और जनभावनाओं के अनुरूप भूमि की अनियंत्रित खरीद फरोख्त को रोक लगायी जाये। डॉ जसविन्दर सिंह गोगी कहा कि उत्तराखंड में जमीनों की अनियंत्रित खरीद फरोख्त को कड़ाई से विनियमित करने की आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में एक कड़ा कानून तत्काल बनाने की आवश्यकता है। पर्वतीय क्षेत्र की, विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्रों की भूमि का सौंदर्यबोधक महत्व होता है। अत: बड़ी संख्या में लोग इसे खरीदना चाहते हैं। कश्मीर एवं लद्दाख क्षेत्र में पहले जमीनों की खरीद संभव नहीं थी, अब भी

व्यावहारिक कारणों से वहां जमीनें खरीदना दूसरे प्रान्त के लोगों के लिए संभव नहीं है। पूरे उत्तरपूर्व भारत के पर्वतीय राज्यों को धारा 371 के माध्यम से संरक्षण है अत: वहां भी जमीनों की खरीद फरोख्त संभव नहीं है। विरल जनसंख्या घनत्व, बड़े क्षेत्र में वन भूमि के होने, तथा सीमित कृषि भूमि तथा आवासीय भूमि उपलब्ध होने के कारण राज्य में भूमि के क्रय विक्रय को कड़ाई से नियंत्रित करने की आवश्यकता है। उपस्थित कार्यकारियों तथा पदाधिकारियों ने मांग की कि संस्कृति का जन्म भूमि से ही होता है; अत: बिना भूमि को संरक्षित किये, हम अपनी विशिष्ट संस्कृति को भी नहीं सहेज पाएंगे। कांग्रेस सरकार द्वारा ही सबसे पहले गैर निवासियों के लिए भूमि खरीद को विनियमित किया गया था लेकिन 2018 में गैर निवासियों द्वारा भूमि खरीद के प्रतिबन्धों में शिथिलीकरण किया गया। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि शिथिलीकरण का दुरुपयोग करके जो भी खरीद फरोख्त हुई हैं, उन्हें रद्द किया जाए। ज्ञापन में मांग की गई कि जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य के निवासियों के अतिरिक्त अन्य लोगों के लिए कड़े प्राविधानों के साथ भूमि की खरीद बिक्री को निषिद्ध करने वाला कानून तत्काल लागू किया जाए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल, नवीन जोशी, डॉ. प्रतिमा सिंह, आशा टम्टा, अभिषेक तिवारी, राजेश पुण्डिर, डॉ0 अरूण रतूडी, पार्षद मुकेश सोनकर, इलियास अंसारी आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए वृक्षमित्र डा. सोनी को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। शिक्षक के पद पर कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी को उत्तराखंड सरकार के विधानसभा क्षेत्र घनसाली विधायक शक्तिलाल साह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

आज यहां घनसाली बीडीसी सभागार में आयोजित शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी में शिक्षा व पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजकीय इण्टर कालेज मरोड़ा (सकलाना) में शिक्षक के पद पर कार्यरत पर्यावरणविद् वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी को उत्तराखंड सरकार के विधानसभा क्षेत्र घनसाली विधायक शक्तिलाल साह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जनपद टिहरी गढ़वाल का अनुसूचित जाति, जनजाति शिक्षक एसोसिएशन का शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शक्ति लाल साह, विशिष्ट अतिथि मंडलीय अध्यक्ष अनूप पाठक व अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लोकेंद्र साह ने की। विधायक शक्ति लाल शाह ने कहा समाज में कार्य करने वालो को देर से भले सम्मान तो मिलता हैं। वृक्षमित्र डॉ त्रिलोक चंद्र सोनी कई सालों से निरन्तर शिक्षा के साथ पर्यावरण को बचाने के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं ऐसे व्यक्ति को सम्मानित करने का मुझे मौका मिला जिन्होंने अपना जीवन प्रकृति के लिए समर्पित किया है। सम्मानित होने पर उन्हें बधाई दी। वही अनूप पाठक ने कहा कि डॉ सोनी शिक्षा विभाग के लिए एक ताज हैं जहां वे छात्रों के भविष्य के लिए समर्पित है वही आने वाले पीढ़ी के लिए पर्यावरणीय संतुलन बनाने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे हैं। डॉ सोनी ने विधायक व अतिथियों को एक एक तुलसी का पौधा उपहार में भेंट किया। कार्यक्रम में महावीर श्रीयाल, मांगिराम मौर्य, गजेंद्र सिंह, नवीन भारती, रघुवीर तोमर, जितेंद्र बुटोइया, विक्रम सिंह बिहानिया, रेनू बाला, भीमलाल मेहरा, रवि कुमार, संदीप कुमार, विनोद कुमार सैंस्वाल, विनोद लाल, डी बैरवान आदि उपस्थित थे।

गौरवशाली इतिहास है कांग्रेस का: जोशी

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास गौरवशाली रहा है।

आज यहां काँग्रेस के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। ओल्ड नेहरू कालोनी पार्क में क्षेत्र के कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी ने कहा कि कांग्रेस स्थापना का 139वी वर्षगांठ मना रहा है। देश की स्वतंत्रता आंदोलन में कांग्रेस के नेतओ ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। महात्मा गांधी के आह्वहन पर एतिहासिक दांडी मार्च, नमक सत्याग्रह किया गया। आजादी के महानायक दादा भाई नेरोजी, मोती लाल नेहरू, गोपाल कृष्ण गोखले, बाल गंगाधर तिलक, जवाहर लाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार बल्ल्भ भाई

पटेल की अगुवाई में स्वतंत्रता आंदोलन चलाए गए। करो या मरो, अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर विवश कर दिया। आजादी के बाद राष्ट्र की प्रगति को योजनाओं का खाका तैयार किया गया। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लाल वहदुर शास्त्री, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह ने आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। हरित क्रांति, बीस सूत्रीय कार्यक्रमों से उन्नतिशील भारत बना। सैल, गैल, भेल, ओएनजीसी जैसी मनीरत्नम कम्पनियों के माध्यम से राष्ट्र की उन्नति में देश आत्मनिर्भर हुआ। इस अवसर पर अजबपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय गुप्ता ने कांग्रेस की विचारधारा को घर घर तक पहुचायी जाये। विषम परिस्थतियों में कांग्रेस को मजबूत करने का आह्वाहन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू कालोनी वार्ड के अध्यक्ष राम सिंह बिष्ट ने की। इस अवसर पर सुरेश जुयाल, अनिल रस्तोगी, शिवम गुप्ता, दीक्षांत, शुभम, रोहित, सोनू आदि उपस्थित थे।

एक नजर

'कृषि भूमि डील' मामले में ईडी की चार्जशीट में प्रियंका गांधी का नाम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में जारी सरगर्मियों के बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हरियाणा के फरीदाबाद में कृषि भूमि की खरीद और बिक्री से जुड़े एक मामले में प्रियंका गांधी का नाम अपनी चार्जशीट में शामिल किया है। ईडी ने इस मामले में कहा है कि दिल्ली के रहने वाले रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा से हरियाणा के फरीदाबाद में 5 एकड़ कृषि भूमि खरीदने और फिर फरवरी 2010 में उसी को ये कृषि भूमि बेचने की डील में प्रियंका गांधी भी शामिल थीं। हालांकि, ईडी ने प्रियंका गांधी को इस मामले में आरोपी नहीं बनाया है। ईडी के मुताबिक, ये जमीन हरियाणा में फरीदाबाद के अमिपुर गांव में एचएल पाहवा से खरीदी गई थी। एचएल पाहवा से ही प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने साल 2005-06 में अमिपुर गांव में तीन अलग-अलग हिस्सों में 40.08 एकड़ जमीन खरीदी थी और बाद में साल 2010 में पाहवा को वापस ये जमीन बेच दी। एचएल पाहवा ने ही एनआरआई बिजनेसमैन सीसी थंपी को भी जमीन बेची थी। सीसी थंपी के ऊपर भगौड़े आर्म्स डीलर संजय भंडारी के क्राइम छिपाने में उसकी मदद करने का आरोप है। ईडी का कहना है कि ये एक बड़ा मामला है, जो संजय भंडारी से जुड़ा हुआ है। संजय भंडारी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग सहित कई मामलों में देश की एजेंसियां जांच कर रही हैं। वहीं, प्रियंका गांधी का नाम चार्जशीट में शामिल किए जाने पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ये भाजपा की पुरानी आदत है। लोकसभा चुनाव से पहले कई लोगों के नाम ईडी से जोड़े जाते हैं।

साउथ के सुपरस्टार विजयकांत का कोरोना संक्रमण से निधन

नई दिल्ली। देशभर में कोरोना के मामलों में इजाफा देखने को मिल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। डीएमडीके (देसिया मुरपोक्कू द्रविड़ कड़गम) संस्थापक विजयकांत का कोरोना से निधन हो गया है। वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के पूर्व नेता विजयकांत को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। कुछ दिन पहले भी अस्पताल में हुए थे भर्ती डीएमडीके ने एक्स पर अपने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से इसकी जानकारी दी थी।इससे पहले, नवंबर में तबीयत बिगड़ने पर विजयकांत को चेन्नई के एमआईओटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खांसी और गले में दर्द के कारण वह 14 दिनों तक डॉक्टरों की निगरानी में रहे।

अभिनेता साजिद खान का कैंसर से निधन

मुंबई। हिंदी सिनेमा के अभिनेता साजिद खान, जिन्होंने महबूब खान की फिल्म मदर इंडिया में सुनील दत्त के किरदार बिरजू के बचपन का किरदार निभाया था, उनका निधन हो गया है। अभिनेता ने बाद में माया और द सिंगिंग फिलीपिना जैसी इंटरनेशनल फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई है। कैंसर के कारण 70 की उम्र में अभिनेता ने अंतिम सांस ली। साजिद खान के इकलौते बेटे समीर ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उनका निधन 22 दिसंबर (शुक्रवार) को हुआ था। समीर का कहना है कि उनके पिता अपनी दूसरी पत्नी के साथ केरल में रह रहे थे। उन्होंने बताया, मेरे पिता को राजकुमार पीतांबर राणा और सुनीता पीतांबर ने गोद लिया था और फिल्म निर्माता मेहबूब खान ने उनका पालन-पोषण किया था। वह पिछले कुछ समय से फिल्मी दुनिया से दूर थे और लोगों के भले के लिए काम कर रहे थे। वह अक्सर केरल आते थे और यहां उन्होंने दोबारा शादी की और फिर वहीं बस गए। उनके बेटे ने आगे बताया कि साजिद खान को केरल के अलाप्पुझा के कायमकुलम टाउन जुमा मस्जिद में दफनाया गया। बता दें कि मदर इंडिया को ऑस्कर के लिए भी नॉमिनेट किया गया था। साजिद खान ने महबूब खान की सन ऑफ इंडिया में मुख्य भूमिका निभाई है। उन्होंने अमेरिकी टीवी शो द बिग वैली के एक एपिसोड में गेस्ट रोल में नजर आए थे। इसके अलावा वह म्यूजिक शो इट्स हैपनिंग में गेस्ट जज के रूप में दिखाई दिए। साजिद खान फिलीपींस में भी एक मशहूर नाम हैं, उन्होंने अभिनेता नोरा औनोर के साथ द सिंगिंग फिलिपिना, माई फनी गर्ल और द प्रिंस एंड आई जैसी फिल्मों में काम किया है। खान ने मर्चेंट-आइवरी प्रोडक्शन की हीट एंड डस्ट में एक डकैत की भूमिका भी निभाई।

बढ़ते वन्य जीव हमलों से दहशत में लोग

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के लोग इन दिनों वन्यजीवों के बढ़ते हमलों के कारण दहशत के साये में जीने पर मजबूर हैं। बीते तीन माह में वन्य जीव हमलो में 30 लोगों को अपना शिकार बनाया जा चुका है जबकि 32 लोग घायल हुए हैं। अल्मोड़ा बागेश्वर से लेकर हल्द्वानी व नैनीताल के बाद अब हरिद्वार और राजधानी दून तक हो रहे इन हमलों को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। वही वन विभाग की नींद भी हराम हो गई है। आए दिन राज्य के किसी न किसी हिस्से से ऐसी दिल दहलाने वाली खबरें सामने आ रही हैं और लोग चैन की नींद नहीं सो पा रहे हैं। वन्य जीव हमले से सुरक्षा का यह मामला अब नैनीताल हाई कोर्ट तक पहुंच गया है जिस पर कल सुनवाई होनी है।

बीते दिनों नैनीताल के भीमताल क्षेत्र में वन्यजीव हमले में तीन महिलाओं की मौत के बाद वन विभाग द्वारा रामनगर और भीमताल क्षेत्र से एक बाघ व गुलदार को जिंदा पकड़ा गया था जिनका डीएनए टेस्ट के बाद अब इन इस नरभक्षी बाघ की पहचान कर ली गई है। इससे पूर्व वन विभाग के अधिकारियों द्वारा इस नरभक्षी गुलदार या बाघ को मारने के आदेश दे दिए गए थे, मगर हाईकोर्ट द्वारा इस पर रोक लगा दी गई थी। जिसके बाद एक युवती के बाघ के हमले में मौत के बाद भारी जनाक्रोश देखा गया। वन विभाग ने एक गुलदार को पिंजरे में कैद होने पर तथा दूसरे बाघ को कम्बिंग के दौरान ट्रैकुलाइजं कर पकड़ा गया था। जिसे रेस्क्यू कर रानीबाग लाया गया था इसके डीएनए टेस्ट में इसी बाघ के नरभक्षी की होने की पुष्टि हुई है। अब देखना यह है कि हाई कोर्ट कल इस मामले में क्या फैसला सुनाता हैं।

उधर देहरादून के सिंगली गांव में मां के सामने से 4 साल के बच्चे को गुलदार के उठाकर ले जाने की घटना से लोग भारी दहशत में हैं। उनकी मांग है कि वन विभाग जल्द इसे पकड़े अन्यथा कोई और भी अनहोनी कभी भी घट सकती है। बीते कल हरिद्वार में रोशनाबाद कोर्ट में हाथी के घुसने व आतंक मचाने की घटना से भी लोग दहशत में है हरिद्वार में तो हाथियों के झुंड का आये दिन हाईवे और बस्तियों में घुसने की घटनाएं आम हो चुकी हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आजकल दिन छोटा होने और 14 घंटे अंधेरा रहने के कारण जंगली जानवरों को आवासीय क्षेत्र में आने का मौका मिल रहा है इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

●तीन माह में 30 लोग शिकार, 32 घायल
●भीमताल के नरभक्षी की कर ली गई पहचान

जंगल पर अतिक्रमण से बढ़े वन्य जीव हमले

देहरादून। राज्य बनने के बाद अप्रत्याशित रूप से जंगलों पर अतिक्रमण और जंगल में मानवीय घुसपैठ व गतिविधियों के बढ़ने के कारण वन्य जीव जंगल से आबादी की ओर रुख कर रहे हैं। जंगल जो जंगली जानवरों के रहने के ठिकाने हैं अगर उनके ठिकानों पर आदमी कब्जा करता चला जाएगा तो ऐसी स्थिति में मानव-वन्य जीव संघर्ष होना भी लाजमी है। जंगलों के बीच बसती आबादी इन हमलों का मुख्य कारण है। लेकिन इसे आदमी अपनी जान गवां कर भी समझने को तैयार नहीं है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से युवती की मौत

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की टक्कर से सडक पार कर रही युवती की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मोटरसाईकिल सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छिददरवाला निवासी श्रीमती शशि देवी ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी अनुष्का कृष्णा जनरल स्टोर से सामान लेकर सडक पार कर रही थी तभी तेज गति से आ रहे मोटरसाईकिल सवार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल पहुंचाया जहां पर चिकित्सकों ने उसकी बेटी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज, मोटरसाईकिल सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जेब से मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। शरब की दुकान में खडे ग्राह की जेब से मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवानपुर राजावाला निवासी सुरेन्द्र सिह ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह क्षेत्र में स्थित शराब की दुकान पर गया था जब वह वहां से वापस आया तो उसने देखा कि उसकी जेब से उसका मोबाइल गायब था। किसी ने शराब की दुकान से उसका मोबाइल जेब से निकाल लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकान में लगी आग में झुलसने से युवक की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी क्षेत्रांर्तगत देर रात एक दुकान में लगी भीषण आग की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर सर्विस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और युवक शव बाहर निकाला। पुलिस अब आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात हल्द्वानी में एक दुकान में अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वहीं आग की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि हिम्मतपुर मल्ला स्थित एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से जिस युवक की मौत हुई उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के बिजनौर के रहने वाले 21 वर्षीय गौरव के रूप में हुई है। वहीं आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। जिसकी जांच जारी है।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोटोवाला सहसपुर निवासी वाकिफ ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से राजीव गांधी काम्पलैक्स में आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल काम्पलैक्स की पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं बंजारवाला निवासी कैलाश नैथानी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से महंत इंद्रेश अस्पताल आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल अस्पताल के बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। इसके साथ ही बडोवाला आर्केडिया ग्रांट निवासी संदीप कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।